

फतीला पुं. (अर.) 1. पतीला, बंदूक या तोप में दी जाने वाली बत्ती, पलीता 2. बत्ती की तरह लिपटा हुआ कागज जिस पर कोई मंत्र हो और उसकी धूनी प्रेतग्रस्त को दी जाए (अर.) दीपक की बत्ती, रुई की मोटी बत्ती।

फतूर पुं. (अर.) 1. फुतूर 2. दोष 3. उपद्रव, शरारत, शैतानी 4. विकार, खराबी 5. उत्पात 6. हानि, नुकसान 7. विघ्न, बाधा 8. खुराफात।

फतूरिया वि. (अर.) 1. फतूरी 2. दोषपूर्ण 3. उपद्रवी, शरारती, उत्पाती, शैतान, खुराफाती।

फतूही स्त्री. (अर.) 1. फुतुही, बिना बाँहों की कुरती या बंडी, फतोई, फतुई, फतूह, सदरी 2. लड़ाई या लूट में मिला हुआ माल।

फते स्त्री. (अर.) दे. फतह।

फतेह स्त्री. (अर.) 1. फतेह, विजय, जीत 2. सफलता, कामयाबी, कृतकार्य।

फदकना अ.क्रि. (देश.) 'फद-फद' ध्वनि करना, खदबद करना, चावल, दलिया, दाल आदि के पकते समय उबलते जाने की स्थिति।

फदफदाना अ.क्रि. (देश.) 1. शरीर में बहुत फुंसियाँ, दाने आदि हो जाना 2. वृक्ष का शाखाओं से भर जाना।

फन पुं. (तद्.) 1. फण, साँप के सिर का वह भाग जिसे साँप हवा से फुला या फैला सकता है 2. फन, विशेषता, कला, हस्तशिल्प, दस्तकारी 3. गुण, हुनर, खूबी, विद्या 3. छलने का ढंग, छल-कपट।

फनकना अ.क्रि. (देश.) हवा में सन-सन करते हुए, हिलना या चलना, 'फन-फन की ध्वनि करना।

फनकार स्त्री. (देश.) साँप के फूँकने या बैल आदि के नथूनों से साँस के समय का फनफन शब्द पुं. (अर.) फनकार, कलाकार।

फनगा पुं. (देश.) 1. फतिंगा, पतंगा, शलभ 2. अंकुर, कल्ला।

फनफनाना अ.क्रि. (देश.) फुंकारना, साँप आदि का फूँ-फूँ ध्वनि करना, क्रोध/आवेश में बोलना, चंचलता से इधर-उधर डोलना।

फना स्त्री. (अर.) 1. मृत्यु, मौत, विनाश, नाश-बरबादी, अस्तित्व नष्ट होना, मिटना 2. परमात्मा और जीवात्मा का भेद मिट जाना, उपास्य और उपासक का अभेद होना।

फनाली पुं. (तद्.) फणावली, साँपों के फनों का समूह।

फनिंग पुं. (देश.) 1. सर्प, नाग, फनिक, फनिग, शेष नाग 2. पतंगा।

फनिंद पुं. (तद्.) फणींद्र, शेषनाग, वासुकि, साँपों/नागों का राजा।

फनि पुं. (तद्.) 1. फणी, सर्प, साँप, नाग 2. साँप का फन, फण।

फनिधर पुं. (तद्.) साँप।

फनिराज पुं. (तद्.) फणिपति, बड़ा सर्प, शेषनाग, वासुकि, फणिपति।

फनी पुं. (तद्.) 1. फणी, साँप का फन 2. नासापुट, नथना।

फनीस पुं. (तद्.) दे. फणीश।

फनूस पुं. (फा.) 1. फानूस, छत में टाँगने के लिए डंडे पर चारों ओर लगे शीशे के गिलास, फूल आदि जिन पर मोमबत्ती बल्ब, आदि लगाते हैं 2. झाड़ू, झाड़ (फानूस) 3. दीपवृक्ष, दीपाधार।

फन्नी स्त्री. (देश.) 1. फान, पच्चड़, लकड़ी का टुकड़ा जो छेद/दरार बंद करने के लिए उस स्थान पर ठोक दिया जाता है 2. पच्चर 3. कपड़ा बुनने का एक औजार, राछ पुं. (अर.) किसी फन से संबंधित, किसी कला/हस्तशिल्प/हुनर में निपुण।

फफूँदी स्त्री. (देश.) फफूँद, नम या क्षीण या बेकार हो रहे खाद्य पदार्थ आदि पर जमने वाली सामान्यतः सफेद काई, वर्षा ऋतु में या अधिक नमी वाले दिनों में वनस्पतियों पर जमने वाली काई, नीबी, कवक, भुकड़ी, खुंभी, कुकुरमुत्ता।